हिन्दी

अध्याय-5: नाना साहब की पुत्री देवी मैना को भस्म कर दिया गया

SHIVOM CLASSES 8696608541

-चपला देवी

सारांश

1857 ई. के क्रांति के विद्रोह में असफल होने के बाद नाना साहेब कानपुर छोड़ कर भाग गए परन्तु अपनी बेटी मैना को न ले जा सके। कानपूर में भीषण हत्याकांड को अंजाम देने के बाद अँगरेज़ बिठूर में नाना साहेब की महल के ओर कुछ किया और सारा राजमहल लूट लिया। महल लूटने के बाद अंग्रेज़ो ने महल को तोप के गोलों से भस्म करने का निश्चय किया। जब अंग्रेज़ों ने भस्म करने के लिए तोपे लगायीं तभी वहां एक अत्यंत सुन्दर बालिका आ गयी और उसने महल पर गोले बरसाने से मना किया। सेनापति के पूछने पर उसने बताया की वह उनके पुत्री मेरी की सहेली है, वह उसी में प्रार्थना करती है इसलिए उस की रक्षा चाहती है। इससे पता चला की वह नाना साहेब की पुत्री है। सेनापति हे ने कहा की वह सरकारी नौकर होने के कारण आज्ञा को नही टाल सकते पर उसकी रक्षा करने की जरूर कोशिश करेंगे। इसी समय जनरल अउटरम वहां पहुंचे और अब तक महल ना उड़ाए जाने का कारण पूछा। सेनापति हे ने महल और मैना को छोडने की गुज़ारिश की पर अउटरम ने उसे ठुकरा दिया जिससे नाराज होकर हे वहां से चले गए। अउटरम ने महल को घेरकर छानबीन की परन्तु मैना का कहीं पता नहीं चला। उसी दिन शाम को गवर्नर जनरल लार्ड कैनिंग का तार आया जिसमे महल को उड़ाने की बात कही गयी। घंटे भर में तोपे के गोलों से महल को उदा दिया गया।

नाना साहब की पुत्री देवी मैना को भस्म कर दिया गया पाठ का सारांश | Nana Sahab ki

लंदन के सुप्रसिद्ध अखबार 'टाइम्स' ने छटी सितम्बर को नाना साहेब जो की अंग्रेज़ों के हत्याकांड का दोषी है, के न पकड़े जाने पर लेख लिखा। उसी दिन पार्लियामेंट हाउस में सेनापति हे के उस रिपोर्ट पर हँसी उड़ाई गई जिसमें उसने नाना के कन्या पर क्षमा-याचना की मांग की थी। अंग्रेज़ों ने नाना साहेब के किसी भी सगे-सम्बन्धी को मार डालने का आदेश दिया।

सितम्बर मास में अर्ध रात्रि के समय सफ़ेद वस्त्र पहनकर मैना नाना साहब के महल के अवशेषों पर रो रही थी। जनरल अउटरम पहुंचते ही उसे पहचान गए और उसे अंग्रेजी आज्ञानुसार कानपूर के किले में कैद कर दिया।

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

05 नाना साहब की पुत्री देवी मैना को भस्म कर दिया गया

उस समय महराष्ट्रीय इतिहासवेत्ता चिटणवीस के पत्र 'बाखर' में चप्पा कि कानपूर के किले में एकमात्र कन्या 'मैना' को धड़कती हुई आग में जलाकर भस्म कर दिया गया।

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

NCERT SOLUTIONS

प्रश्न-अभ्यास प्रश्न (पृष्ठ संख्या 55)

प्रश्न 1 बालिका मैना ने सेनापति 'हे' को कौन-कौन से तर्क देकर महल की रक्षा के लिए प्रेरित किया?

उत्तर-

i. अंग्रेज़ों के दोषी नाना साहब हैं। मकान का इसमें क्या दोष है?
ii. यह स्थान मैना को बहुत प्रिय है।
iii. अंत में मैना ने सेनापति 'हे' को अपना परिचय देकर कहा कि वो उनकी पुत्री 'मेरी' की सहेली है।

प्रश्न 2 मैना जड़ पदार्थ मकान को बचाना चाहती थी पर अंग्रेज़ उसे नष्ट करना चाहते थे। क्यों?

उत्तर- मैना उसी मकान में पली-बढ़ी थी। उसी में उसकी बचपन की, पिता की, परिवार की यादें समाई हुई थीं। इसलिए वह जड़ मकान उसके लिए भरी-पूरी ज़िंदगी के समान था। वह उसके जीवन का भी सहारा हो सकता था। इसलिए वह उसे बचाना चाहती थी।

अंग्रेज़ों के लिए वह राजमहल उनके दुश्मन नाना साहब की निशानी था। वे उनकी हर निशानी को मिट्टी में मिला देना चाहते थे, ताकि देश में फिर से कोई अंग्रेज़ों के विरुद्ध आवाज़ न उठाए।

प्रश्न 3 सर टामस 'हे' के मैना पर दया-भाव के क्या कारण थे?

उत्तर- सर टामस 'हे' की मृत पुत्री मेरी मैना की प्रिय सखी थी। दूसरा कारण यह रहा होगा कि हे मैना के घर आते रहे थे और तब वे मैना को अपनी पुत्री के समान ही प्यार करते थे। मैना के रूप में उन्हें अपनी पुत्री मेरी की छवि दिखाई दी होगी और उनके मन में ममता जाग गई होगी। ये सभी कारण रहे होंगे कि हे के मन में मैना पर दया भाव उत्पन्न हुआ।

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

प्रश्न 4 मैना की अंतिम इच्छा थी कि वह उस प्रासाद के ढेर पर बैठकर जी भरकर रो ले लेकिन पाषाण-हृदय वाले जनरल ने किस भय से उसकी इच्छा पूर्ण न होने दी?

उत्तर- मैना महल के ढेर पर बैठकर जी भर कर रो लेना चाहती थी पर पाषाण-हृदय जनरल अउटरम ने उसकी यह इच्छा पूरी न होने दी। जनरल अउटरम के मन में भय रहा होगा कि अगर उसने नाना साहब की बेटी के प्रति ज़रा भी सहानुभूति दिखाई तो ब्रिटिश सरकार का गुस्सा उस पर फूट पड़ेगा। उसे इसके लिए दंड भी मिल सकता है। क्रोध से पागल सामान्य, अंग्रेज़ नागरिक भी उस पर नाराज़गी प्रकट करेंगे। इस कारण उसने मैना की यह छोटी-सी इच्छा भी पूरी न होने दी।

प्रश्न 5 बालिका मैना के चरित्र की कौन-कौन सी विशेषताएँ आप अपनाना चाहेंगे और क्यों?

उत्तर- मैना की चारित्रिक विशेषताएँ-

i. मैना एक वाक् चतुर बालिका थी।
ii. उसके मन में अपनी पैतृक धरोहर के प्रति सम्मान की भावना थी।
iii. उसके मन में किसी भी प्रकार का कोई भय नहीं था। वह साहसी थी।
iv. उसमें आत्मबलिदान की भावना प्रबल थी।
v. मैना बहुत भावुक थी तभी मकान के जल जाने पर उसका मन दु:खी हो जाता है।

हम मैना की इन सारी विशेषताओं को अपनाना चाहेंगे। उसकी ये विशेषताएँ उसे औरों से अलग बनाती है। इन गुणों से युक्त मनुष्य जीवन पथ पर कभी असफल नहीं होता है। उसे किसी भी प्रकार की शक्ति अपने मार्ग से विचलित नहीं कर सकती है। अतः हम उसके इन गुणों को आत्मसात करके देश तथा परिवार का नाम रोशन करने का प्रयास करेंगे।

प्रश्न 6 'टाइम्स' पत्र ने 6 सितम्बर को लिखा था- 'बड़े दुख का विषय है कि भारत सरकार आज तक उस दुर्दांत नाना साहब को नहीं पकड़ सकी'। इस वाक्य में 'भारत सरकार'से क्या आशय है?

उत्तर- यहाँ भारत सरकार से आशय है- ब्रिटिश शासन के अंतर्गत चलने वाली भारत सरकार जिसे अंग्रेज़ अधिकारी चलाते थे।

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

रचना और अभिव्यक्ति प्रश्न (पृष्ठ संख्या 56)

प्रश्न 1 स्वाधीनता आंदोलन को आगे बढ़ाने में इस प्रकार के लेखन की क्या भूमिका रही होगी?

उत्तर- स्वाधीनता आंदोलन को बढ़ाने में इस प्रकार के लेखों की भूमिका महत्तवपूर्ण रही होगी। लोग जब अंग्रेज़ों के अत्याचारों को पढ़ते होंगे तो उनके विरुद्ध हो जाते होंगे। जब वे मैना जैसी निडर बालिका के निर्मम वध की बात सुनते होंगे तो उनका हृदय करूणा से भर उठता होगा। तब उनका मन त्याग, बलिदान और संघर्ष के लिए तैयार हो जाता होगा। यही भाव स्वाधीनता आंदोलन को बढ़ाने में मददगार सिद्ध हुआ होगा।

प्रश्न 2 कल्पना कीजिए कि मैना के बलिदान की यह खबर आपको रेडियो पर प्रस्तुत करनी है। इन सूचनाओं के आधार पर आप एक रेडियो समाचार तैयारी करें और कक्षा में भावपूर्ण शैली में पढ़े।

उत्तर- यह आकाशवाणी का कानपूर चैनल है। आज रात्रि के संध्या समाचारों में मैनादेवी के बलिदान पर एक संक्षिप्त समाचार सुनाया जा रहा है। समाचार के प्रस्तुतकर्ता है श्री रवि वर्माजी। अत्यंत दुःख के साथ यह सूचित किया जाता है कि कल सांयकाल के समय मैनादेवी का दुखद अवसान हो गया है। समाचार यह है कि अंग्रेज जनरल अउटरम द्वारा बड़ी ही अमानवीयता के साथ मैनादेवी को जलती हुई आग में भस्म कर दिया गया। सारा शहर इस क्षोभ से अत्यंत क्रुद्ध तथा दुखी है। भले ही आज मैनादेवी इस नश्वर संसार को त्याग कर परमधाम में चली गई है, परन्तु उनका यह बलिदान व्यर्थ नहीं जाएगा आने वाले समय में देशवासियों को प्रेरणा प्रदान करता रहेगा। धन्यवाद।

प्रश्न 3 इस पाठ में रिपोर्ताज के प्रारंभिक रूप की झलक मिलती है लेखिन आज अख़बारों में अधिकांश खबरें रिपोर्ताज की शैली में लिखी जाती हैं।

i. कोई दो खबरें किसी अख़बार से काटकर अपनी कॉपी में चिपकाए तथा कक्षा में पढ़कर सुनाइए।
ii. आप– अपने आसपास की किसी घटना का वर्णन रिपोर्ताज शैली में कीजिए।

उत्तर-

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

i.

a. नवभारत टाइम्स

25, सितम्बर 2014

पहली ही कोशिश में मंगल तक पहुँचा भारत

अंतरिक्ष अनुसंधान के क्षेत्र में भारत ने नायाब उपलब्धि हासिल की है। भारतीय अनुसंधान संस्थान (इसरो) का मार्स ऑर्बिटर मिशन यानी मंगलयान सुबह 8 बजे करीब मंगल की कक्षा में प्रवेश कर गया। यह उपलब्धि हासिल करने के बाद भारत दुनिया में पहला ऐसा देश बन गया, जिसने अपने पहले ही प्रयास में यह सफलता हासिल की है। एशिया से कोई भी देश यह सफलता हासिल नहीं कर सका है। चीन और जापान के अब तक प्रयास विफल रहे हैं, जबकि अमेरिका को मंगल तक पहुँचने के लिए सात प्रयास करने पड़े थे। अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा और मावेन की टीम ने भारतीय यान के मंगल की कक्षा में सफलतापूर्वक पहुँचने के लिए इसरो को बधाई दी है।

b. नवभारत टाइम्स

29, सितम्बर 2014

बाढ़ से एक लाख करोड़ रुपए के नुकसान का अनुमान

श्रीनगरजम्मू कश्मीर सरकार ने आज कहा कि राज्य में बाढ़ के कारण 1,00,000 करोड़ रुपये के शुरूआती नुकसान का आकलन है। राज्य की उमर अब्दुल्ला सरकार ने उम्मीद जताई कि केंद्र प्रभावित लोगों को ज्यादा से ज्यादा सहायता मुहैया कराएगा।

मुख्य सचिव मोहम्मद इकबाल खानडे ने संवाददाताओं से कहा कि निजी कारोबार सहित बाढ़ के कारण एक लाख करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है। मुख्य सचिव ने कहा कि राज्य सरकार बाढ़ की वजह से हुए नुकसान के बारे में विस्तृत ज्ञापन तैयार करने की प्रक्रिया में है, जिसे इस सप्ताह के अंत तक केंद्र को दे दिया जाएगा।

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

उन्होंने कहा, 'हम ज्ञापन तैयार करने की प्रक्रिया में है। इसे कैबिनेट मंजूर करेगा और सप्ताहांत तक केंद्र को भेजा जाना चाहिए। हम बहुत आशावादी हैं कि भारत सरकार प्रभावित लोगों को ज्यादा से ज्यादा सहायता प्रदान करेगी।'

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने केंद्र सरकार को एक पत्र लिखकर राज्य में बाढ़ प्रभावितों के पुनर्वास के लिए विशेष पैकेज का अनुरोध किया है। उन्होंने कहा, 'हमने क्षतिग्रस्त प्रत्येक पक्के घर के लिए 5 लाख रुपये और आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त पक्के घरों के लिए दो लाख रुपये मुआवजे का अनुरोध किया है।'

ii. मुंबई एक्सप्रेस हाइवे पर मंगलवार को एक सड़क दुर्घटना में एक युवक की मौत हो गई। जबकि दो युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को पुलिस ने अस्पताल में भर्ती कराया है। अमर, प्रेम और राज तीनों मंगलवार की रात गाड़ी से घर जा रहे थे तब पीछे से ट्रक ने गाड़ी में टक्कर मार दी जिससे वह पलट गया। हादसे में तीनों गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना स्थल पर मौजूद लोगों ने उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया। डॉक्टरों ने अमर को मृत घोषित कर दिया, जबकि प्रेम और राज की हालत गंभीर बनी हुई है।

प्रश्न 4 आप किसी ऐसे बालक\ बालिका के बारे में एक अनुच्छेद लिखिए जिसने कोई बहादुरी का काम किया हो।

उत्तर- श्रीराम तथा सीता पुत्र लव-कुश ने अपने साहस का परिचय बाल्यकाल में ही दे दिया था। लव-कुश ने हनुमान जैसे बलशाली वानर को भी परास्त किया। उन्होंने राम द्वारा आयोजित अश्वमेघ यज्ञ को भी रोककर राम की पूरी सेना के साथ युद्ध कर, उन्हें परास्त करके अपने पराक्रम तथा बल का परिचय दिया। युग-युग तक यह अमरगाथा अविस्मरणीय रहेगी।

भाषा- अध्ययन प्रश्न (पृष्ठ संख्या 56)

प्रश्न 1 भाषा में वर्तनी का स्वरूप बदलता रहता है। इस पाठ में हिंदी गद्य का प्रारंभिक रूप व्यक्त हुआ है जो लगभग 75-80 वर्ष पहले था। इस पाठ के किसी पसंदीदा अनुच्छेद को वर्तमान मानक हिंदी रूप में लिखिए।

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

SHIVOM CLASSES 8696608541

नाना साहब की पुत्री देवी मैना को भस्म कर दिया गया

उत्तर- कानपूर में घटित हत्याकांड के बाद अंग्रेजी सैनिक दल बिठूर की ओर गया। बिठूर में स्थित नाना साहब का राजमहल अंग्रेजों द्वारा लूट लिया गया। लेकिन अंग्रेज अधिक नुकसान नहीं कर पाए।

इसके बाद अंग्रेजों ने तोप द्वारा नाना साहब के महल को उड़ा देना चाहा,तभी महल के बरामदे में एक सुंदर बालिका आकर खड़ी हो गई। यह देखकर अंग्रेजी सेना को हैरानी हुई क्योंकि महल को लूटते समय यह बालिका वहाँ दिखाई नहीं दी।

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)